

बंधन श्याम से | by Nisha Dwivedi

वो आया था वो आएगा
कान्हा से पुराना बंधन है
दुःख हर्ता है सुख कर्ता है
हाथों से सजाता जीवन है

खामोशी को लाचारी को
एक पल में ये समझता है
महसूस इसको हो जाता जब
भक्त का आंसू टपकता है
इनको जितना समझो काम है
हाथों से सजाता जीवन है
दुःख हर्ता है सुख कर्ता है
हाथों से सजाता जीवन है

नरसी जी का मीरा जी का
कर्मा का मान बढ़ाया है
खुद बिक के इसने भक्तों का
हर दम कर्ज चुकाया है
ये ही मेरा जीवन धन है
हाथों से सजाता जीवन है
दुःख हर्ता है सुख कर्ता है
हाथों से सजाता जीवन है

दीवानो का दीवाना है
माया का इसको ना चाव है
प्रेमी है ये उस प्रेमी का
रखता जो प्रेम का भाव है
कहता मोहित इनसे हम हैं
हाथों से सजाता जीवन है
दुःख हर्ता है सुख कर्ता है
हाथों से सजाता जीवन है

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%82%e0%a4%a7%e0%a4%a8-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-nisha-dwivedi/>